समाचार पत्र अंकः 22 संख्या : 1 अप्रैल - सितंबर, 2017

भातेताअनुसं समाचार

IIOPR News

An ISO 9001:2008 Certified Institute

भाकृअनुप - भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पेदवेगी - 534 450, आन्ध्र प्रदेश; वेबसाइटः http://dopr.gov.in

क्षेत्रवार समाचार

तेल ताड़ में उर्वरीकरण

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) द्वारा तेल ताड़ के लिए उर्वरीकरण प्रौद्योगिकी विकसित की गई है जिससे उर्वरक की जरूरत में 50 प्रतिशत तक की बचत की जा सकती है। उर्वरकों की लागत में बचत करने के लिए और साथ ही उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मृदा स्वास्थ्य को बनाये रखने में किसान इस प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं । इच्छुक किसान अपने खेतों में उर्वरीकरण इकाई की स्थापना करते समय विशेषज्ञ सलाह के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों से सलाह कर सकते हैं।

किसान कॉर्नर

बेहतर आमदनी के लिए, तेल ताड़ में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के माध्यम से सिंचाई करने की जरूरत होती है जिससे नुकसान में कमी लाकर जल की आवश्यकता में लगभग 50 प्रतिशत तक की बचत की जाती है।

उर्वरीकरण यथा सूक्ष्म सिंचाई के साथ उर्वरकों का प्रयोग करने से उर्वरकों की मात्रा में 50 प्रतिशत तक की बचत करने में मदद मिलती है जिससे परिणामस्वरूप जहां एक ओर खेती की लागत कम होती है वहीं दूसरी ओर मृदा स्वास्थ्य में सुधार आता है।

आगामी आयोजन

''भारत में तेल ताड़ बीज बगीचों के लिए बीज मानक'' विषय पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र – जनवरी, 2017

तेल ताड़ के किसानों की आय दुगुना करने पर बैटक फरवरी, 2017

निदेशक की कलम से

पूर्वोत्तर भारत में तेल ताड़ के विकास में भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIOPR) योगधान

भारत में, तेल ताड़ की खेती के लिए 1.93 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्रफल की पहचान की गई है जिसमें से 0.218 मिलियन हेक्टेयर खेती क्षेत्रफल की पहचान पूर्वोत्तर राज्यों में की गई है। भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) की स्थापना सन् 1995 में की गई थी जिसमें तेल ताड़ उत्पादन को बढ़ाने के लिए लक्ष्य उन्मुख अनुसंधान की दिशा में कार्य करने के साथ साथ भारत के पूर्वोत्तर भाग में तेल ताड़ उत्पादन की विभिन्न अवस्थाओं में किसानों द्वारा महसूस की गईं समस्याओं का समाधान करने के लिए कड़ा परिश्रम किया जा रहा है। सामान्यतया, तेल ताड़ की खेती पूर्वोत्तर और केरल तथा अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह के कुछ हिस्सों को छोड़कर सिंचित परिस्थितियों में की जाती है। पूर्वोत्तर राज्यों का विकास करना हमेशा से केन्द्र सरकार की प्राथमिकता रही है। इस प्रमुख उद्देश्य के भाग के तौर पर भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) द्वारा इन बिना दोहन वाले क्षेत्रों में तेल ताड़ का उत्पादन बढ़ाने के लिए मदद करने हेतु अपने दायरे में रहकर उल्लेखनीय योगदान किया जा रहा है। तेल ताड़ के लिए स्थान विशिष्ट रोपण सामग्री उत्पन्न करने को देखते हुए मिजोरम में एक बीज उद्यान की स्थापना की गई है जिसकी उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 10 लाख अंकुर उत्पन्न करने की है जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा किया जाएगा। पूर्वोत्तर पर्वतीय कार्यक्रम के तहत, हमने 60 किसानों को शामिल करते हुए मिजोरम में 100 हेक्टेयर का ब्लॉक प्रदर्शन आयोजित किया जिसमें उर्वरक अनुप्रयोग के माध्यम से विशेषकर पोषक तत्व प्रबंधन वाली रीतियों के संस्तुत पैकेज को अपनाया गया जिसके परिणामस्वरूप तीन वर्ष की छोटी–सी अवधि में प्रतिवर्ष उपज में 2.5 टन से बढ़कर 12 टन प्रति हेक्टेयर का उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। ''भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में तेल ताड़ उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकीय रणनीतियां '' विषय पर ऐजवाल, मिजोरम में एक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के कृषि /बागवानी विभाग के अधिकारियों, तेल ताड़ प्रसंस्करण इकाइयों के, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मिजोरम, अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मेघालय, असम और पश्चिम बंगाल के राज्य कृषि विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक स्टाफ ने भाग लिया। इसके अलावा, अरूणाचल प्रदेश के राज्य कशषि /बागवानी विभाग के अधिकारियों को पासीघाट, अरूणाचल प्रदेश में ''तेल ताड़ उत्पादन प्रौद्योगिकी'' पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ''उत्पादकता को बढ़ाने के लिए संस्तुत रीतियां'' विषय पर मिजोरम के किसानों के लिए ऑन–फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान से वैज्ञानिकों के एक समूह द्वारा असम के बोडोलैण्ड में ''तेल ताड़ की खेती पर संभाव्यता अध्ययन'' किया गया। तेल ताड़ की खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण देने और किसानों द्वारा महसूस की गईं कुछ समस्याओं का समाधान करने हेतु पूर्वोत्तर से अधिकारियों और किसानों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग की सुविधा का उपयोग भी किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर राज्यों में नाशीजीवों, रोगों और पोषक तत्व विकृति के लिए आमतौर पर नैदानिकी खेत दौरे आयोजित किए गए। हमारे वैज्ञानिक रोपण उद्यानों का दौरा करके सुधारात्मक उपायों का सुझाव देते हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जनजातीय उप–योजना के तहत, पूर्वोत्तर के सभी सातों राज्यों के लिए तेल ताड़ उत्पादन प्रौद्योगिकी पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

तेल ताड़ की खेती, पोषक तत्व प्रबंधन, नाशीजीव प्रबंधन तथा रोग प्रबंधन के लिए मोबाइल ऐप विकसित किए गए हैं जो कि आवश्यकतानुसार वांछित सूचना को हासिल करने में बहुत मददगार हैं। पुनः किसानों की जरूरत के अनुसार लघु संदेश सेवा (SMS) और वॉयस कॉल्स का भी शामिल उपयोग किया जा रहा है।

आर.के. माथुर

अनुसंधान अद्यतन : उपलब्धियॉं/नए परिणाम/नई पहल

लाभप्रद तेल ताड़ + कोको अंतर–फसलचक्र (राव, बी.एन.)

''टिकाऊ उत्पादकता के लिए तेल ताड़ – कोको आधारित फसलचक्र'' पर किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि बिना उपयोग किए गए 77.6 प्रतिशत मृदा द्रव्यमान (अंतर स्थान) का उपयोग तेल ताड़ में अंतर–फसल द्वारा प्रभावी रूप से किया जा सकता है। तेल ताड़ की अकेली फसल के तहत 93 मानवदिवस, 28 प्रतिशत आईआईआर (IRR), BCR (1.51) तथा ₹ 121873 NPV की तुलना में तेल ताड़ + कोको फसलचक्र प्रणाली में उच्चतर रोजगार सृजन (431 मानवदिवस/वर्ष), IRR (32%), BCR (1.56) तथा NPV (₹ 160237) दर्ज किया गया। अंतर–फसलचक्र प्रणाली में आर्थिक उपज, मृदा जैविक कार्बन में वृद्धिशील रूझान भी देखने को मिला और पेयबैक अवधि में भी कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं पाई गई जिससे पता चलता है कि कोको के साथ तेल ताड़ अंतर–फसलचक्र प्रणाली टिकाऊ और लाभप्रद है।

जुलाई में रोपित तेल ताड़ नर्सरी का बेहतर प्रदर्शन (मनोरमा, के.)

जुलाई और दिसम्बर में डी x पी के 21 क्रास का रोपण करके नर्सरी में विभिन्न बढ़वार अवस्थाओं में लगने वाले समय के परिणामों से पता चला कि नर्सरी में जुलाई में की गई रोपाई दिसम्बर में की रोपाई की तुलना में बेहतर पाई गई। बढ़वार पैरामीटरों जिनमें कि पौधा ऊंचाई, पत्तियों की संख्या, तने की परिधि, शुष्क पदार्थ उत्पादन, पत्ती क्षेत्रफल शामिल था, में भी दिसम्बर में किए गए रोपण के मुकाबले में जुलाई में किए गए रोपण के तहत कहीं उच्चतर मान दर्ज किए गए। अतः दक्षिण पश्चिम मानसूनी वर्षा के साथ तारतम्य स्थापित करते हुए जुलाई में नर्सरी के रोपण से तेल ताड़ संकर पौधों की बेहतर वृद्धि और विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

जुलाई नर्सरी

दिसम्बर नर्सरी

तना लॉग्स की कम्पोस्टिंग एवं सैप स्कवीज्ड अपशिष्ट की सह–कम्पोस्टिंग (मनोरमा, के.)

30 सेमी. आकार के लॉग्स की कम्पोस्टिंग जहां 9 से 12 महीनों की अवधि में की जा सकी वहीं 60 सेमी. आकार वाले टुकडे की कम्पोस्टिंग करने में 18 महीनों का समय लगा तथा एक मीटर आकार के टुकड़े की कम्पोस्टिंग 18 महीनों के उपरान्त भी नहीं की जा सकी। पोल्ट्री की खाद (5 किग्रा.) + चूना (0.5 किग्रा) + एसएसपी (0.5 किग्रा.) के साथ सैप स्कवीज्ड तना अपशिष्ट की सह–कम्पोस्टिंग करने के परिणामस्वरूप अन्य उपचारों के मुकाबले में बेहतर पोषण मान के साथ कहीं तेजी से अपघटन (3 महीने में) देखने को मिला।

फार्मर फर्स्ट परियोजन के अंतर्गत भूसा कटर का वितरण

फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम के अंतर्गत अंगीकृत किए गए दो गांवों नामतः छल्लाचिन्तालापुडी और मक्किनावारीगुडेम में तेल ताड़ बगीचों में उत्पन्न रोपण अपशिष्ट के समुचित उपयोग के लिए प्रत्येक गांव में दो भूसा कटर का वितरण किया गया। इन मशीनों की उपयोगिता को देखने के लिए पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) ने भी इन गांवों का दौरा किया।

12वीं राष्ट्रीय तेल ताड़ बीज बैठक का आयोजन

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी में दिनांक 19 जुलाई, 2017 को 12वीं राष्ट्रीय तेल ताड़ बीज बैठक – 2017 का आयोजन किया गया। इस बैठक में, विभिन्न राज्य सरकारों से प्रसंस्करणकर्ताओं और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक का प्रयोजन भारत के विभिन्न राज्यों से तेल ताड़ प्रसंस्करणकर्ताओं द्वारा देशी स्रोतों से सृजित तेल ताड़ बीजों की मांग का आकलन करना, भारत में विभिन्न बीज बगीचों की उत्पादन क्षमता का पता लगाना और वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 के दौरान अंकुरित बीजों की आपूर्ति अनुसूची को तैयार करना था।

अनुसंधान की अद्यतन जानकारी

मेरा गांव – मेरा गौरव कार्यक्रम

भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में मेरा गांव – मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक कार्यकलापों यथा नैदानिकी खेत दौरे, कौशल प्रदर्शन, पारस्परिक बैठक आदि का आयोजन किया गया। इनका विवरण इस प्रकार है :

क्र.सं.	मद	संख्या/क्षेत्रफल (हे.)/मात्रा	शामिल कुल लाभान्वित
1	शामिल गांवों की संख्या	19	20
2	किए गए दौरों की संख्या	31	117
3	प्रदर्शनों की संख्या	10	236
4	किसान बैठकों की संख्या	10	128

मृदा एवं पत्ती नमूना संकलन पर कौशल प्रदर्शन का आयोजन छल्लाचिन्तालापुडी में किया गया।

किसानों को प्रशिक्षण

असम, छत्तीसगढ़, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना राज्य से जुड़े कुल 429 तेल ताड़ उत्पादकों के लिए कुल दस प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से तेल ताड़ पर रीति पैकेज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, तेल ताड़ रोपण उद्यानों का दौरा कराया गया और तेल ताड़ की खेती रीति पर संबंधित साहित्य उपलब्ध कराया गया।

अधिकारियों को प्रशिक्षण

अधिकारियों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	प्रतिभागियों का संबंध
1	22 एवं 23-08-2017	तेल ताड़ की उत्पादन प्रौद्योगिकियां विषय पर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	72	एलुरू, पश्चिमी गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश
2	11-09-2017 से 16-09-2017	तेल ताड़ की उत्पादन प्रौद्योगिकियां विषय पर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	17	आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिल नाडु, केरल एवं कर्नाटक
	कुल		89	

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम

असम एवं मिजोरम में नैदानिकी खेत दौरों का आयोजन

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा ग्रीन ऑयल पॉम फार्मर्स ग्रुप, मौमन, बोको सब डिवीजन, जिला कामरूप; जयखलोंग ऑयल पॉम सोसायटी – गैर सरकारी संगठन, देउलगुरी, गोलपारा, जिला दुधनोई – सब डिवीजन एवं श्रमिक ज्योति गोट (GOT) ऑयल पॉम सोसायटी, शालपाडा, गोलपारा, जिला दुधोनी – सब डिवीजन, असम में नैदानिकी खेत दौरों का आयोजन किया गया। बंजर भूमि में लगाये गये। तेल ताड़ बागान किशोर अवधि में हैं। तेल ताड़ उद्यान में अंतरफसल के रूप में स्ट्राबेरी, अदरक, मिर्च, पपीता, कद्दू, कोलोकेसिया, चीकू, हल्दी, आलू, उड़द और *मेस्टा* को उगाया गया। किसानों को विभिन्न पहलुओं पर सुझाव दिये गए जैसे कि खरपतवार प्रबंधन, पलवार, स्टैकिंग, कश्न्तकों की रोकथाम, उर्वरक प्रबंधन, जल संचयन, पश्थक्करण, तथा तेल ताड़ प्रसंस्करण आदि।

संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा लावंगलई, मिजोरम में खेत दौरे किए गए जहां उन्होंने जिन समस्याओं को पाया उनमें शामिल थीं : कृन्तकों का प्रकोप, जंगली सूअर का हमला, कौवों द्वारा नुकसान, विपणन और लीन सीजन के दौरान शीर्ष पर नर फूलों की मौजूदगी आदि। इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक तकनीकी सुझाव दिए गए। लांवगलई स्थित तेल ताड़ नर्सरी का दौरा किया गया। खामारंग, कोलासिब, मिजोरम में तेल ताड़ में उर्वरक प्रबंधन पर ब्लॉक प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। किसानों को पौद अवस्था पर फसल का प्रबंधन करने, कटाई की सही अवस्था, खरपतवार प्रबंधन, उर्वरक प्रबंधन, तथा पृथक्करण आदि पर जरूरी सुझाव दिए गए।

फार्मर्स फर्स्ट

फार्मर्स फर्स्ट परियोजना के तहत चयनित किए गए गांवों में ''तेल ताड़ में गुच्छों की कटाई का मैकेनाइजेशन'' तथा ''तेल ताड़ रोपण से हासिल अपशिष्ट से जैविक रिसाइक्लिंग'' पर माड्यूल्स का कियान्वयन किया गया। मृदा तथा पत्ती नमूनों के संकलन पर प्रदर्शन आयोजित किया गया। तेल ताड़ रोपण से मृदा तथा पत्ती नमूनों को संकलित किया गया। भूसा अथवा पयाल तेल ताड़ और नारियल फ्रॉण्ड्स को छोटे छोटे टुकड़ों में काटने के लिए और इनका उपयोग पलवार के रूप में करने के लिए किसानों को भूसा कटर वितरित किए गए। मक्किनावारिगुडेम में नारियल तथा तेल ताड़ रोपण में जैविक खाद के उपयोग पर खेत दिवस का आयोजन किया गया। फार्मर्स फर्स्ट कार्यक्रम वाले गांवों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।

डॉ. वसाखा सिंह ढ़िल्लों, सहायक महानिदेशक (बागवानी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने फार्मर्स फर्स्ट परियोजना के गांव छल्लाचिन्तालापुडी का दौरा किया और वहां परियोजना के तहत विभिन्न माड्यूल्स के कियान्वयन की जानकारी ली।

दौरे

बी.एन. राव ने वेम्पाडु गांव, द्वारका तिरूमाला मण्डल और तडीकलापुडी गांव, कामवारापुकोटा मण्डल, पश्चिमी गोदावरी का दौरा करके तेल ताड़ में सिंचाई एवं उर्वरक प्रबंधन पर सलाह दी।

के. मनोरमा एवं पी. अनीता ने दिनांक 21 सितम्बर, 2017 को द्वारका तिरूमाला मण्डल के गांव जी. कोठापल्ली का दौरा किया और वहां तेल ताड़ रोपण से निकलने वाले अपशिष्ट प्रबंधन पर किसानों को जागरूक किया।

बी. कल्याण बाबू ने कुचुमपुडी गांव में नैदानिकी खेत दौरा किया और वहां तेल ताड़ बगीचे में आधारीय तना सड़न प्रकोप को पहचाना। साथ ही उन्होंने मृदा में *ट्राइकोडर्मा* का अनुप्रयोग करने की सिफारिश की।

नवीन परियोजनाएँ स्वीकृत

1. अगली पीढ़ी के तेल ताड़ बीज बगीचों के लिए श्रेष्ठ रोपण सामग्री का विकास
2. तेल ताड़ के बीज उधान की अगली पीढ़ी के लिए कुलीन रोपण सामग्री का विकास
3. राजामहेन्द्रवरम (आन्ध्र प्रदेश) में गुणवत्ता वाले तेल ताड़ बीज एवं बीज बागान के प्रबंधन का उत्पादन
4. तेल ताड़ बायोमास का उपयोग – विभिन्न उपोत्पादों के स्रोत के रूप में
5. डिजिटल वीडियो फिल्मों के माध्यम से तेल ताड़ उत्पादन तकनीक का प्रसार
6. प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए तेल ताड़ चिकित्सक की डिजाइन एवं विकास
7. हितधारकों के लिए तेल ताड़ उत्पादन तकनीकों पर प्रशिक्षण को मजबूती प्रदान करना

प्रकाशन

अनुसंधान लेख

कल्याण बाबू, बी. एवं माथुर, आर.के., 2017. माल्युकूलर ब्रीडिंग इन ऑयल पॉम (*एलेइस गिनीन्सिस*) : स्टेटस एंड फयूचर पर्सपेक्टिव, प्रोग्रेसिव हॉर्टिकल्चर, 48 (2), 123 – 131.

नवीन कुमार, पी; माथुर, आर.के; मुरूगेसन, पी; रेड्डी, ए.जी.के; सुनील कुमार, के; रामाजयम, डी. एवं रविचन्द्रन, जी., 2017. सीजनल वैरियेशन इन फ्रेश फ्रूट बंच प्रोडक्शन इन ड्यूरा ऑयल पॉम, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइन्सिज, 87 (9) : 1184 – 9.

सुनील कुमार, के; माथुर, आर.के. एवं स्पर्जन बाबू, डी, 2017. डिफरेन्शियल पॉलन लॉगेविटी इन ड्यूरा एंड पिसिफेरा ऑयल पॉम फ्रूट टाइप्स (*एलेइस गिनीन्सिस* जैक.) एट स्टोरेज टेम्प्रेचर, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइन्सिज, 87 (7) : 893 – 8.

लोकप्रिय लेख

प्रीति, पी; रामाजयम, डी; रविचन्द्रन, जी; सर्वनन, एल., 2017. पनाई मराथिन पझाकुलई अरूवडई सारन्था थोजिलनुडपा मुरईजल, *नवीना वेलनमई,* अप्रैल, पीपी 44 – 45.

प्रीति, पी; रविचन्द्रन, जी. एवं सर्वनन, एल., 2017. इनईपनैल पेराझुलम कलानीलई मट्टाथिनल एट्टा मेलानमई मुरईगल, अगस्त, पीपी 48 – 50.

ई–प्रकाशन

मैरी रानी, के.एल; कल्याण बाबू, बी; माथुर, आर.के; नवीन कुमार, पी; सुरेश, के; रविचन्द्रन, जी. एवं भाग्या, एच.पी., 2017. वेब एप्लीकेशन ऑन ऑयल पॉम माइक्रोसेटेलाइट डाटाबेस (OPSatDB ver 1.0). भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी (http://dopr.gov.in/Databases Software.htm).

तकनीकी बुलेटिन

नरसिम्हा राव, बी; सुरेश, के; बहेरा, एस.के; रामचन्द्रायडु, के. एवं मनोरमा, के., 2017. न्यूट्रियन्ट मैनेजमेन्ट इन ऑयल पॉम, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी, पीपी 28.

समितियों/विशेषज्ञ टीमों में सदस्यता

कालिदास, पी. ने दिनांक 12 जून, 2017 को डॉ. वाई. एस.आर. बागवानी विश्वविद्यालय, वेंकटारमन्नागुडेम की शैक्षणिक परिषद की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

राव, बी.एन. ने पश्चिमी गोदावरी जिले के कस्टम हायरिंग केन्द्र के लिए जिला क्रय समिति में सदस्य के रूप में कार्य किया।

सुनील कुमार, के. ने दिनांक 29 जुलाई, 2017 को कृषि विभाग, केरल सरकार द्वारा गठित तेल ताड़ के बाजार विस्तार का अध्ययन करने हेतु विशेषज्ञ समिति की केरल सचिवालय में आयोजित बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागिता

मैरी रानी, के.एल. ने दिनांक 15 – 19 नवम्बर, 2016 को C-DAC, हैदराबाद में भारतीय भाषाओं में मोबाइल ऐप्लीकेशन विकास पर आयोजित 5वीं राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

आसिफ मोहम्मद, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी ने आईएसटीएम, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 18 अगस्त, 2017 को जीएसटी पर उन्मुखता प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं दिनांक 21 – 23 अगस्त, 2017 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए संगठन विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

नसिर हुसैन, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (भण्डार) ने दिनांक 21 – 22 अगस्त, 2017 को आईएसटीएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''ई–खरीद'' पर कार्यशाला में भाग लिया।

गौरी शंकर, पी., सहायक प्रशासनिक अधिकारी; साई किशोर, पी., निजी सहायक एवं शिवराम कृष्ण, एस., निजी सहायक ने दिनांक 13 सितम्बर, 2017 को नार्म, हैदराबाद में पीएफएमएस पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

बैठकों में प्रतिभागिता

आर.के. माथुर

दिनांक 19 – 20 जुलाई, 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में कैबिनेट सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया और मूल्यों के विशेष संदर्भ में तेल ताड़ में विभिन्न मुद्दों तथा भारत में तेल ताड़ की वर्तमान स्थिति एवं संभावनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया।

दिनांक 9 – 11 सितम्बर, 2017 के दौरान हैदराबाद में भाकृअनुप – भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOR), हैदराबाद में आयोजित किसान मेले में भाग लिया।

दिनांक 15 – 16 सितम्बर, 2017 को नई दिल्ली में कृषि भवन में सीएसीपी द्वारा तेल ताड़ खेती की लागत पर बुलाई गई पहली बैठक में भाग लिया; इस बैठक में संयुक्त सचिव (तिलहन), कृषि एवं सहकारिता विभाग, कृषि एवं सहकारिता विभाग एवं सीएसीपी के अधिकारियों, बागवानी आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश सरकार और तेल ताड़ प्रसंस्करणकर्ताओं के प्रतिनिधियों व किसानों आदि ने भाग लिया।

दिनांक 25 – 26 सितम्बर, 2017 को हैदराबाद में ''तेल ताड़ में खेती क्षेत्रफल का विस्तार करने हेतु रणनीतियां'' विषय पर ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र एवं कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में तेल ताड़ खेती क्षेत्रफल में विस्तार संबंधी कार्यक्रम, किसानों की आय को दोगुना करना और तेल ताड़ उत्पादकता को बढ़ाने आदि पर सारगर्भित चर्चा की गई।

राव, बी.एन. ने दिनांक 23 मई, 2017 को होटल डीवी मनोर, विजयवाडा में भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलुरू द्वारा ''विजयवाडा में भारतीय रोपण प्रबंधन संस्थान के लिए अवसरों की खोज पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

राव, बी.एन. ने दिनांक 30 एवं 31 मई, 2017 को इम्फाल, मणिपुर में जोन–3 की दूसरी क्षेत्रीय समिति में भाग लिया।

माथुर, आर.के; राव, बी.एन. एवं मनोरमा, के. ने दिनांक 26 – 29 जुलाई, 2017 को बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट, कर्नाटक में अखिल भारतीय समन्वित ताड़ अनुसंधान परियोजना की 26वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।

मनोरमा, के. ने दिनांक 13 जुलाई, 2017 को भाकृअनुप – राष्ट्रीय कशषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (ICAR - NAARM), हैदराबाद में टिकाऊ कृषि पर GTWG (ग्लोबल प्रौद्योगिकी वॉच समूह) की हितधारक परामर्श कार्यशाला में भाग लिया जिसे विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया था।

सुनील कुमार, के. ने दिनांक 20 – 22 जुलाई, 2017 को पचमढ़ी, भोपाल, मध्य प्रदेश में SEA, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी तथा SOPOPRAD के एसोसिएशन में Solidaridad द्वारा आयोजित ''भारतीय तेल ताड़ टिकाऊ क्षमता (IPOS) फ्रेमवर्क'' बैठक में भाग लिया।

सेमिनार/संगोष्ठी में प्रतिभागिता

संस्थान के निम्नलिखित वैज्ञानिकों ने दिनांक 4 – 8 सितम्बर, 2017 के दौरान ''बागवानी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी : प्राथमिकताएं एवं उभरते रूझान'' में भाग लिया।

नाम	प्रस्तुत पेपर
के. मनोरमा	तेल ताड़ परीक्षणों के लिए प्रभावी प्लॉट आकार
के. सुनील कुमार	तेल ताड़ में उच्च उपज के लिए प्रजनन : उन्नत प्रजनन वंशक्रमों का प्रारंभिक प्रदर्शन
जी. रविचन्द्रन	परिवहन के दौरान तेल ताड़ अंकुरित बीजों के प्लुमुल तथा रेडीकल को बचाने की एक विधि
के.एल. मैरी रानी	आईसीटी – तेल ताड़ प्रौद्योगिकी के प्रसार हेतु एक भावी कदम
बी. कल्याण बाबू	एसएनपी तथा एसएसआर मार्करों का उपयोग करके तेल ताड़ में तेल उपज से जुड़े गुणों का जीनोम वार एसोसिएशन अध्ययन
एच.पी. भाग्या	तेल ताड़ (*एलेइस गिनीन्सिस* जैक.) में आनुवंशिक विविधता के लिए बहुरूपीय एसएसआर मार्करों की पहचान एवं मानचित्रण अध्ययन

मान्यता/पुरस्कार

दिनांक 4 – 8 सितम्बर, 2017 को भाकृअनुप – भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIHR), बंगलुरू, कर्नाटक में ''बागवानी : प्राथमिकताएं एवं उभरते रूझान'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''चिपिंग बकेट – ए फीजिबल एप्रोच फॉर ऑयल पॉम ट्रंक डिस्पोजल'' (प्रीति पी; विधान सिंह, टी.वी; प्रसाद, एम.वी; रामाजयम एवं माथुर, आर.के. द्वारा) विषय पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार दिया गया।

भाग्या, एच.पी. ने भाकृअनुप – भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR - IARI), नई दिल्ली में आयोजित इंटर जोनल खेलकूद प्रतियोगिता में लंबी कूद प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) में आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान में दिनांक 21 जून, 2017 में अपने परिसर में तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें विशेषज्ञों द्वारा योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। लगभग 20 मिनट तक सभी स्टाफ सदस्यों ने ध्यान किया।

पंचवर्षीय समीक्षा दल द्वारा भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी का दौरा

डॉ. बी.एम.सी. रेड्डी की अध्यक्षता में गठित पंचवर्षीय समीक्षा दल (QRT) जिसमें डॉ. एस. अरूलराज; डॉ. ए.एस. दत्त; डॉ. आर. विक्रमन नायर; डॉ. एस. के. शर्मा एवं डॉ. एन. सुभाष शामिल थे, ने वर्ष 2011 से 2016 की अवधि के लिए भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) की प्रगति की समीक्षा की । बैठक का आयोजन भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी में दिनांक 21 – 23 जुलाई, 2017 के दौरान किया गया था। उपरोक्त अवधि के लिए संस्थान के प्रदर्शन को **उत्कृष्ट** (Outstanding) आंका गया।

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

दिनांक 17 अगस्त, 2017 को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी में अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. रे एवं सदस्यों ने संस्थान द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और इनमें सुधार के लिए कार्यक्रमों में कुछ बदलाव करने के सुझाव दिए।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

संस्थान के पेदवेगी स्थित मुख्य परिसर और क्षेत्रीय केन्द्र पर दिनांक 14 – 28 सितम्बर, 2017 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इसके दौरान स्टाफ और छात्रों के लिए भिन्न भिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा (17 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2017) के दौरान, भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान में निम्नलिखित गतिविधियां चलाई गईं : 1) पुराने परिसर में स्वच्छता अभियान; 2) स्वच्छता शपथ; 3) तेल ताड़ रोपण में जलवायु स्मार्ट अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता अभियान का आयोजन; 4) व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण; 5) एमआरसी कॉलोनी में समग्र सेवा दिवस पर खुले शौच के विरूद्ध अभियान; 6) इलुरू में विज्ञान पार्क में सफाई कार्य करना; 7) स्टाफ सदस्यों के लिए निबंध लेखन, चित्रकला, वाद–विवाद एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन।

वैयक्तिक (स्थानान्तरण/नई नियुक्ति/सेवानिवृत्ति)

रविचन्द्रन, जी. एवं मैरी रानी, के.एल. को क्रमशः 13 अगस्त, 2015 एवं 28 सितम्बर, 2015 से वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किया गया।

नवीन कुमार, पी., प्रधान वैज्ञानिक; सर्वनन, एल. एवं प्रीति, पी. का स्थानान्तरण दिनांक 31 मई, 2017 को क्रमशः भाकृअनुप – पुष्पविज्ञान अनुसंधान निदेशालय (ICAR - DFR), पुणे, भाकृअनुप – गन्ना प्रजनन संस्थान (ICAR - SBI), कोयम्बटूर तथा भाकृअनुप – काजू अनुसंधान निदेशालय (ICAR - DCR), पुत्तूर में किया गया।

बहेरा, एस.के., वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मुरूगेसन, पी. , प्रधान वैज्ञानिक का स्थानान्तरण क्रमशः दिनांक 24 जून, 2017 को भाकृअनुप – भारतीय मृदाविज्ञान संस्थान (ICAR - IISS), भोपाल एवं दिनांक 30 जून, 2017 को भाकश्अनुप – केन्द्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICAR - CTCRI), तिरूवनंतपुरम में किया गया।

अनीता, पी., वैज्ञानिक ने दिनांक 3 जुलाई, 2017 (पूर्वाह्न) को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR), पेदवेगी में पदभार ग्रहण किया।

सोमसुन्द्रम, जी., वैज्ञानिक ने दिनांक 12 जुलाई, 2017 (पूर्वाह्न) को भाकृअनुप – भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान (ICAR - IIOPR) अनुसंधान केन्द्र, पालोड़ में पदभार ग्रहण किया।

श्री जे. मोहन राव, तकनीकी अधिकारी दिनांक 31 मई, 2017 को सेवानिवृत्त हुए।

Compiled and Edited by : Dr. K.Manorama, Dr. G.Ravichandran, Dr. K.L.Mary Rani, Dr. B.Kalyana Babu and Dr. M.V. Prasad
Published by : **Dr. R.K. Mathur,** Director, ICAR-Indian Institute of Oil Palm Research, Pedavegi - 534 450, West Godavari District., Andhra Pradesh
Phone: 08812 259532/259524; Fax: 08812 259531. E-mail: dopr2009@gmail.com; director.iiopr@icar.gov.in Web site: http://dopr.gov.in